CEDSI
CENTRE OF EXCELLENCE FOR DAIRY SKILLS IN INDIA

# CEDSI TIMES

*Your Skilling Partner...*

## पशुधन क्षेत्र में अधिक निवेश की जरूरत: परषोत्तम रूपाला

हैदराबाद: ग्रामीण आय में वृद्धि के प्राथमिक चालकों में से एक के रूप में उभर रहे पशुपालन के माध्यम से कृषि विविधीकरण के साथ, पशुपालन, पशुधन और डेयरी क्षेत्र में सार्वजनिक निवेश और प्रौद्योगिकी के उच्च जलसेक की आवश्यकता है, केंद्रीय मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री ने कहा पुरुषोत्तम रूपाला।

उन्होंने मंगलवार को यहां पशुपालन और डेयरी क्षेत्र पर भव्य स्टार्टअप सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए यह बात कही, जिसका आयोजन पशुपालन और डेयरी विभाग द्वारा राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड (एनडीडीबी), स्टार्टअप इंडिया, सीआईएल और तेलंगाना पशुपालन विभाग के साथ किया गया था।

यह कार्यक्रम, जो उद्यमियों, निवेशकों और उद्योग के विशेषज्ञों को एक साथ लाता है, में प्रमुख उद्योग के नेताओं, इंटरैक्टिव सत्रों, पैनल चर्चाओं और सफल स्टार्ट-अप द्वारा प्रस्तुतियों के मुख्य भाषण थे।

## सरकार जल्द शुरू करेगी सीड ट्रैसेबिलिटी सिस्टम: कृषि मंत्री

कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा कि किसानों को अच्छी गुणवत्ता वाले बीजों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए सरकार जल्द ही सीड ट्रैसेबिलिटी सिस्टम शुरू करेगी।

एक आधिकारिक बयान में तोमर के हवाले से कहा गया है कि इसके लॉन्च से किसानों को फायदा होगा और बीज क्षेत्र में अच्छा काम करने वाले लोगों को भी मदद मिलेगी।

सरकार बीज क्षेत्र में आ रही बाधाओं को लेकर चिंतित है। उन्होंने कहा कि सीड ट्रैसेबिलिटी सिस्टम पर हितधारकों से सुझाव प्राप्त हुए हैं।

तोमर ने बढ़ती आबादी और जलवायु परिवर्तन की चुनौती को ध्यान में रखते हुए कहा कि कृषि क्षेत्र से जुड़े सभी लोगों को भारत और दुनिया की भविष्य की जरूरतों को पूरा करने के लिए तैयार रहना चाहिए।

## मदुरै जिले ने आविन दूध कार्ड खरीदने के लिए आधार अनिवार्य कर दिया है

आविन के मदुरै जिला सहकारी दूध उत्पादक संघ ने घोषणा की है कि उपभोक्ताओं को शुक्रवार से दूध कार्ड खरीदने के लिए आधार जमा करना होगा। हालांकि, नया मानदंड राज्य के बाकी हिस्सों पर लागू नहीं होता है।

दूध कार्ड उपभोक्ताओं को फुल क्रीम दूध 46 रुपये की रियायती कीमत पर और मानकीकृत दूध (हरा) 41 रुपये प्रति लीटर दिया जाता है। दोनों वेरिएंट की वास्तविक कीमतें क्रमशः 60 रुपये और 44 रुपये हैं। हर महीने की पहली से 15 तारीख तक मिल्क कार्ड का नवीनीकरण कराना होता है।

"मदुरै संघ द्वारा खरीदे गए अधिकांश दूध को खुदरा दुकानों और आविन आउटलेट्स के माध्यम से बेचा जाता है। दूध कार्ड के माध्यम से दूध का हिस्सा नगण्य है। जिला संघों को किसानों के हितों की रक्षा के लिए अपने दम पर निर्णय लेने का अधिकार है, "आविन के एक अधिकारी ने कहा।

## कृषि क्षेत्र को प्रभावित करने के लिए हीटवेव और एल नीनो की दोहरी मार

भारत में पिछले 4 वर्षों में सामान्य से अधिक मानसून रहा है। जलवायु घटनाएं 2023 में एक अल नीनो की भविष्यवाणी करती हैं। प्रतिकूल रूप से, मार्च से मई में सामान्य से 3 से 5 डिग्री अधिक गर्मी की लहरों का पूर्वानुमान है। भारत अनिवार्य रूप से एक गंभीर प्री-मॉनसून सिंड्रोम का अनुभव करेगा जो कृषि को प्रभावित करेगा और स्वास्थ्य के लिए खतरा पैदा करेगा।

गर्मी की लहरें फसल को नुकसान पहुंचा सकती हैं और FY23 में सर्दियों की फसल के उत्पादन को कम कर सकती हैं। हालांकि, खाद्यान्न की खेती मार्च से मई तक सीमित है। इसके अतिरिक्त, हमें जलाशयों के मजबूत स्तर, समय पर खेती, और मजबूत सिंचाई से मदद मिलती है। FY23 में रबी  की खेती प्रभाव को कम करने  के लिए बहुत अच्छी है।  हालांकि,  तापमान में असामान्य वृद्धि राज्यों में विशेष रूप से उत्तरी क्षेत्र में फसलों, फलों, सब्जियों और जानवरों को प्रभावित करेगी, जैसा कि 2022 में रिपोर्ट किया गया था। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने मार्च से मई में लू की चेतावनी जारी की है।

अल नीनो वित्त वर्ष 24 के खरीफ उत्पादन को भी प्रभावित कर सकता है। अमेरिकी सरकार की मौसम एजेंसी, नेशनल ओशनिक एंड एटमॉस्फेरिक एडमिनिस्ट्रेशन के अनुसार, अपने फरवरी के पूर्वानुमान में, यह भविष्यवाणी की गई थी कि अल नीनो जून की शुरुआत में वापस आ सकता है। आईएमडी के अनुसार, एल नीनो अगले तीन महीनों के दौरान "तटस्थ स्तर" पर रहेगा। दक्षिण-पश्चिम मानसून पर इसके वास्तविक प्रभाव का आकलन अप्रैल तक ही किया जा सकता है, जब वे मानसून के लिए पहला दीर्घकालिक पूर्वानुमान प्रदान करते हैं।

एल नीनो की स्थिति आमतौर पर सामान्य से कम वर्षा और असमान वितरण का कारण बनती है। एल नीनो का संचयन दो से सात वर्षों में भिन्न होता है; औसत 3 से 4 वर्ष है, जिससे सामान्य वर्षा में 9.7% की गिरावट और खरीफ खाद्यान्न उत्पादन में -5.7% की गिरावट आती है।

राष्ट्रीय मौसम ब्यूरो ने कहा कि मार्च, अप्रैल और मई में देश के अधिकांश हिस्सों में सामान्य से अधिक अधिकतम तापमान की उच्च संभावना है, जो हीटवेव की चेतावनी है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, जलवायु परिवर्तन के प्रभावों की ओर इशारा करते हुए, 2020 के बाद से लगातार हीटवेव का सामना करने वाले राज्यों की संख्या दोगुनी होकर 20 हो गई है। सरकार। ने राज्यों से कीमतों को नियंत्रित करने के लिए खाद्य भंडार पर निगरानी रखने और अगले साल अल नीनो प्रभाव की प्रत्याशा में किसानों का समर्थन करने के लिए बड़े खरीद कार्यों को तैयार करने का आग्रह किया है। इनमें एफएमसीजी, फर्टिलाइजर, चीनी, डेयरी और दोपहिया जैसे ग्रामीण खपत वाले सेक्टर सबसे ज्यादा प्रभावित होंगे।

## मिल्मा का महत्वाकांक्षी पाउडर प्लांट मुरकनाद में पूरा होने के करीब है

केरल कोऑपरेटिव मिल्क मार्केटिंग फेडरेशन (मिल्मा) द्वारा मलप्पुरम में वलनचेरी के पास मुरकनाद में स्थापित किए जा रहे एक महत्वाकांक्षी मिल्क पाउडर प्लांट पर काम जोरों पर है। जून तक प्लांट चालू होने की उम्मीद है।

मिल्मा के इतिहास में ₹130 करोड़ की इकाई सबसे बड़ी डेयरी संयंत्र होगी। मिल्मा के अध्यक्ष के.एस. मणि, संयंत्र राज्य में मिल्मा के विकास को गति देगा।

स्वीडिश बहुराष्ट्रीय टेट्रा पैक 12.5 एकड़ में स्थापित किए जा रहे मोरकनाद संयंत्र में भारी दूध रूपांतरण मशीनरी लगाने में व्यस्त है। मिल्मा ने नवीनतम कॉन्फ़िगरेशन वाली पूरी तरह से स्वचालित मशीनों को चुना है। टेट्रा पैक मिल्मा को शुरुआती दो साल प्लांट चलाने में मदद करेगा।

संयंत्र में एक लाख लीटर दूध का प्रसंस्करण करके प्रतिदिन 10 मीट्रिक टन पाउडर का उत्पादन करने की क्षमता होगी। “हम इसे 1.3 लाख लीटर तक बढ़ा सकते हैं,” श्री मणि ने कहा। मिल्मा पाउडरिंग के लिए कर्नाटक और तमिलनाडु जैसे पड़ोसी राज्यों से दूध आउटसोर्स करने पर विचार करेगी। "हमने उन राज्यों में कुछ पार्टियों के साथ रूपांतरण के लिए दूध की आपूर्ति के लिए एक सौदा किया," उन्होंने कहा।

## हिमाचल प्रदेश वूल फेडरेशन पशुपालकों के उत्थान का मार्ग प्रशस्त कर रहा है

हिमाचल प्रदेश में भेड़ पालन ग्रामीण अर्थव्यवस्था का एक महत्वपूर्ण घटक बनने के साथ, राज्य सरकार पशुपालकों की आजीविका के उत्थान के लिए उपाय कर रही है।

एचपी वूल फेडरेशन के प्रवक्ता ने कहा कि भेड़ पालन छोटे और सीमांत किसानों और राज्य के ग्रामीण और आदिवासी क्षेत्रों में भेड़ पालन में लगे लोगों के लिए आजीविका का एक महत्वपूर्ण स्रोत बन गया है।

"यह गर्व की बात है कि कुछ निजी खिलाड़ी भी राज्य के कुछ हिस्सों में हिमाचली ऊन के जैविक प्रमाणन और अन्य प्रमाणन जैसे आरडब्ल्यूएस (रिस्पॉन्सिबल वूल स्टैंडर्ड्स) में निवेश कर रहे हैं और पश्चिम के छोटे बाजारों की जरूरतों को पूरा कर रहे हैं " उन्होंने कहा।

उन्होंने कहा कि पशुधन गणना 2019 के अनुसार राज्य की कुल भेड़ आबादी 7,91,345 है, जिसमें विदेशी नस्ल की संख्या 72,821 और स्वदेशी नस्लों की संख्या 7,18,524 है।

ऊन, पशु, उसके मांस, खाद, दूध और त्वचा की बिक्री के माध्यम से चरवाहों के लिए आय का एक विश्वसनीय स्रोत होने के नाते, हिमाचल प्रदेश राज्य ऊन संघ, एक शीर्ष सहकारी संस्था, पशुपालकों को मजबूत करने में एक प्रमुख भूमिका निभा रही है। उन्होंने कहा कि ऊन उत्पादकों को बिचौलियों और व्यापारियों के शोषण से बचाना है।

उन्होंने कहा कि प्रजनकों को तकनीकी और यांत्रिक भेड़ कतरन सुविधाएं प्रदान करने के अलावा, चरवाहों से ऊन की खरीद के लिए निर्धारित 133.39 करोड़ रुपये की परिक्रामी निधि भी उन्हें पारिश्रमिक दर प्रदान करने के साथ बनाए रख रही है। उन्होंने कहा कि बाजार के आधार पर खरीद 125 से 150 मीट्रिक टन तक होती है, उन्होंने कहा कि भेड़ प्रजनकों को इसके लिए मौके पर भुगतान भी प्रदान किया जाता है।

## एफएमसीजी, डेयरी कंपनियां इस गर्मी में मजबूत दो अंकों की बिक्री वृद्धि पर दांव लगा रही हैं

नई दिल्ली: एफएमसीजी और डेयरी फर्मों के शीर्ष अधिकारियों के अनुसार गर्मियों की शुरुआत के कारण आइसक्रीम और कोला जैसे ठंडे पेय पदार्थों की मांग बढ़ी है और इस सीजन में बिक्री दो अंकों में मजबूत होने की संभावना है।

गर्मी के मौसम में उपभोक्ता गतिशीलता में वृद्धि के साथ महामारी के उन्मूलन के रूप में एक अनुकूल हवा भी मिलेगी। इससे आउट-ऑफ-होम (ओओएच) सेगमेंट को भी मदद मिलेगी, जहां कंपनियों को दो साल की गिरावट के बाद बिक्री में तेज वृद्धि की उम्मीद है।

दूध, डेयरी पेय उत्पादों और आइसक्रीम के प्रमुख विक्रेताओं में से एक, मदर डेयरी ने कहा कि यह पहले से ही बढ़ते तापमान के साथ "मांग में वृद्धि देख रही है" और आने वाले दिनों में यह प्रवृत्ति जारी रहने की उम्मीद है। सीजी, डेयरी कंपनियां इस गर्मी में मजबूत दो अंकों की बिक्री वृद्धि पर दांव लगा रही हैं।

मदर डेयरी ने कहा, "आइसक्रीम जैसी श्रेणी के लिए, जो एक अत्यधिक बुनियादी ढांचा आधारित व्यवसाय है, हमने अपने उत्पादन, कोल्ड चेन के बुनियादी ढांचे, वाहनों को रेफर किया है और शेल्फ की मजबूती सुनिश्चित करने के लिए अपने उपभोक्ता स्पर्श बिंदुओं पर संपत्ति की तैनाती में निवेश किया है।" प्रबंध निदेशक मनीष बंदलिश।

अच्छे सीजन की उम्मीद में कंपनियों ने उपभोक्ताओं को लक्षित करते हुए विज्ञापन, ब्रांड अभियान आदि पर अपने विपणन खर्च में भी वृद्धि की है।

**अगले पृष्ठ पर जारी रखें**

**दूसरे पेज से जारी**

पेय निर्माता पेप्सिको ने कहा कि वह गर्मियों की शुरुआत के बारे में "उत्साहित" है और यह 2023 में पेय क्षेत्र के लिए संकेत दे सकता है। गर्मी, पेप्सिको इंडिया के वरिष्ठ उपाध्यक्ष, पेय पदार्थ जॉर्ज कोवूर ने कहा।

इसी तरह, एफएमसीसी प्रमुख डाबर इंडिया ने कहा कि गर्म और लंबी गर्मी उसके गर्मी केंद्रित उत्पादों, विशेष रूप से उसके पेय और ग्लूकोज पोर्टफोलियो के लिए अच्छी होगी।

डाबर इंडिया के मुख्य परिचालन अधिकारी आदर्श शर्मा ने कहा, 'हम पहले से ही इन उत्पादों की अच्छी मांग देख रहे हैं और खुदरा और स्टॉकिस्ट दोनों के स्तर पर इसके लिए इन्वेंट्री का निर्माण शुरू कर दिया है।'

नुवामा ग्रुप के कार्यकारी निदेशक, इंस्टीट्यूशनल इक्विटीज अवनीश रॉय के अनुसार, इस साल गर्मियों में आइसक्रीम, कोला, फलों के रस, बीयर, कूलिंग हेयर ऑयल जैसी गर्मियों की श्रेणियां सकारात्मक होंगी। उन्हें इन श्रेणियों में "मजबूत दोहरे अंकों की बिक्री वृद्धि" की उम्मीद है।

## सीईडीएसआई ने आईटीसी सुनेहरा काल के सहयोग से पशु सखी के लिए क्षमता निर्माण प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया

सीईडीएसआई ने छोटे जुगाली करने वाले पशुओं पर पशु सखियों को कौशल प्रशिक्षण देने के लिए ITC सुनेहरा कल मिशन के लिए तीन दिवसीय अपस्किलिंग प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम न केवल पशु सखियों को समुदाय में उनकी आजीविका में योगदान देने के साथ-साथ क्षेत्र में छोटे जुगाली करने वाले किसानों की आजीविका में सुधार करने में मदद करता है। प्रशिक्षण कार्यक्रम में नस्ल चयन, भोजन, स्वास्थ्य प्रबंधन और विपणन सहित छोटे जुगाली करने वाले प्रबंधन के विभिन्न पहलुओं को शामिल किया जाएगा। कार्यक्रम राजस्थान राज्य के कोटा और झालावाड़ जिलों में आयोजित किया गया था।

## हम कौन हैं?

कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय के तहत भारतीय कृषि कौशल परिषद (ASCI) के तत्वावधान में काम करने वाली एक स्वायत्त संस्था "भारत में डेयरी कौशल के लिए उत्कृष्टता केंद्र (CEDSI)", किसानों की आजीविका के सशक्तिकरण और बेहतरी में मदद करने के लिए, वेतनभोगी कर्मचारी, और डेयरी मूल्य श्रृंखला में अन्य हितधारक।

सीईडीएसआई सदस्यता उद्योग के नेताओं, नीति निर्माताओं, विकास चिकित्सकों, डेयरी वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं, छात्रों और किसानों को डेयरी उद्योग के लिए आसन्न महत्व के मुद्दों पर बहस और चर्चा करने के लिए एक अनूठा मंच प्रदान करेगी।